



Rashmi Jain

26 Apr 1975

12:20 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 119990905

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 25-26/04/1975
दिन _____: शुक्र-शनिवार
जन्म समय _____: 00:20:00 घंटे
इष्ट _____: 46:09:46 घटी
स्थान _____: Bhopal
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 23:17:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:59:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:55 घंटे
साम्पातिक काल _____: 14:12:30 घंटे
सूर्योदय _____: 05:52:05 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:44:47 घंटे
दिनमान _____: 12:52:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 11:25:35 मेष
लग्न के अंश _____: 28:00:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: स्वाति - 2
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: सिद्धि
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: रे-रेणुका
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

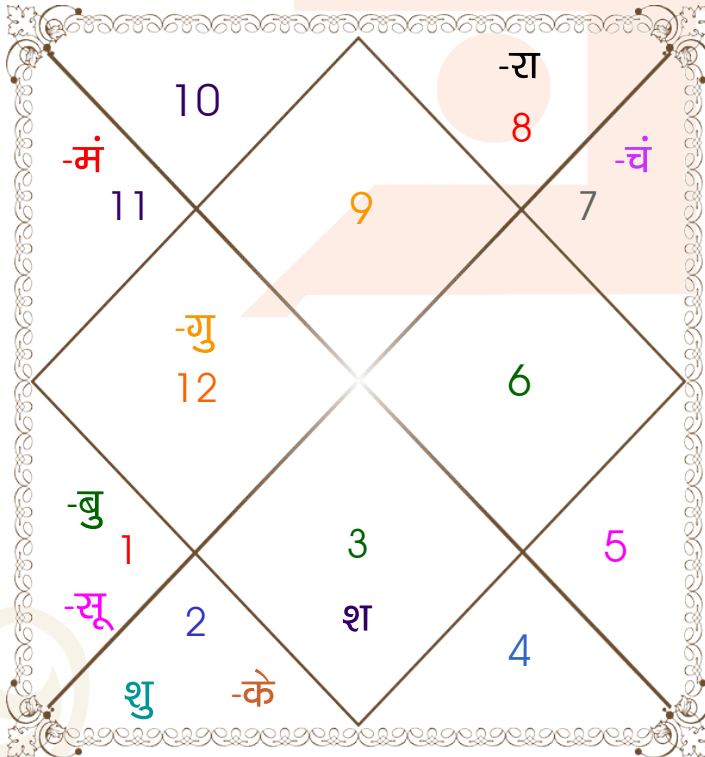
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:00:19	367:24:09	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मेष	11:25:35	00:58:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			तुला	10:49:08	14:27:27	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	17:07:47	00:45:39	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	अ		मेष	19:21:45	02:06:09	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	15:33:32	00:13:46	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृष	20:22:14	01:09:39	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			मिथु	20:02:02	00:04:21	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	07:30:59	00:02:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	07:30:59	00:02:22	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
हर्ष	व		तुला	06:44:07	00:02:33	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	17:49:08	00:01:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो	व		कन्या	13:38:59	00:01:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			तुला	11:54:44	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

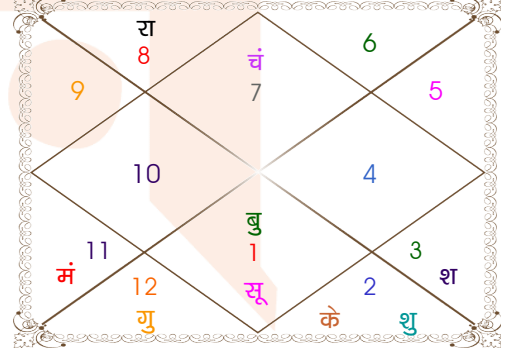
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:58

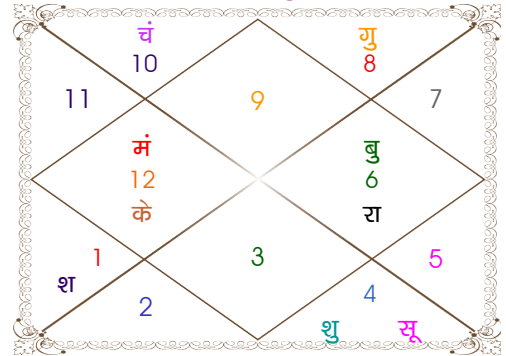
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 4 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष 26/04/1975 17/09/1987	गुरु 16 वर्ष 17/09/1987 17/09/2003	शनि 19 वर्ष 17/09/2003 16/09/2022	बुध 17 वर्ष 16/09/2022 17/09/2039	केतु 7 वर्ष 17/09/2039 16/09/2046
00/00/0000	गुरु 04/11/1989	शनि 19/09/2006	बुध 12/02/2025	केतु 13/02/2040
26/04/1975	शनि 17/05/1992	बुध 30/05/2009	केतु 09/02/2026	शुक्र 14/04/2041
शनि 29/08/1977	बुध 23/08/1994	केतु 08/07/2010	शुक्र 10/12/2028	सूर्य 20/08/2041
बुध 17/03/1980	केतु 30/07/1995	शुक्र 07/09/2013	सूर्य 17/10/2029	चंद्र 21/03/2042
केतु 05/04/1981	शुक्र 30/03/1998	सूर्य 20/08/2014	चंद्र 18/03/2031	मंगल 17/08/2042
शुक्र 05/04/1984	सूर्य 16/01/1999	चंद्र 20/03/2016	मंगल 14/03/2032	राहु 04/09/2043
सूर्य 27/02/1985	चंद्र 17/05/2000	मंगल 29/04/2017	राहु 02/10/2034	गुरु 10/08/2044
चंद्र 29/08/1986	मंगल 23/04/2001	राहु 05/03/2020	गुरु 06/01/2037	शनि 19/09/2045
मंगल 17/09/1987	राहु 17/09/2003	गुरु 16/09/2022	शनि 17/09/2039	बुध 16/09/2046
शुक्र 20 वर्ष 16/09/2046 16/09/2066	सूर्य 6 वर्ष 16/09/2066 16/09/2072	चंद्र 10 वर्ष 16/09/2072 16/09/2082	मंगल 7 वर्ष 16/09/2082 16/09/2089	राहु 18 वर्ष 16/09/2089 00/00/0000
शुक्र 16/01/2050	सूर्य 04/01/2067	चंद्र 17/07/2073	मंगल 13/02/2083	राहु 29/05/2092
सूर्य 16/01/2051	चंद्र 06/07/2067	मंगल 15/02/2074	राहु 02/03/2084	गुरु 23/10/2094
चंद्र 16/09/2052	मंगल 10/11/2067	राहु 17/08/2075	गुरु 06/02/2085	शनि 26/04/2095
मंगल 16/11/2053	राहु 04/10/2068	गुरु 16/12/2076	शनि 18/03/2086	00/00/0000
राहु 16/11/2056	गुरु 23/07/2069	शनि 17/07/2078	बुध 15/03/2087	00/00/0000
गुरु 18/07/2059	शनि 05/07/2070	बुध 17/12/2079	केतु 11/08/2087	00/00/0000
शनि 16/09/2062	बुध 12/05/2071	केतु 17/07/2080	शुक्र 10/10/2088	00/00/0000
बुध 17/07/2065	केतु 17/09/2071	शुक्र 18/03/2082	सूर्य 15/02/2089	00/00/0000
केतु 16/09/2066	शुक्र 16/09/2072	सूर्य 16/09/2082	चंद्र 16/09/2089	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भूभाग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आप जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगी। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानती हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देती हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगी। आप बहुत धन संग्रह करेंगी। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगी तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगी। जो आप पर विश्वास करेगा, आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगी। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहती हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगी क्योंकि वे आपकी कला में प्रवीणता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपके संरक्षण की अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपने कुशल एवं प्रिय पति के साथ आनंद प्राप्त करेंगी तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगी। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगी। आपका घर अन्यो की अपेक्षा ईर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्युत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकती हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपको स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अहंकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर ली तो आप रोग मुक्त हो सकती हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखरी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।

